भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

17.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3997 का उत्तर

खुर्दा-बोलनगीर रेल परियोजना

3997. श्री अच्युतानंद सामंतः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या खुर्दा से बोलनगीर तक रेल परियोजना कार्य को पूरा करने में अत्यधिक विलम्ब हुआ है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार उक्त परियोजना में तेजी लाने का है और यदि हां, तो प्रस्तावित समय-सीमा क्या है जिससे इस परियोजना को पूरा किया जाएगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या 99 किलोमीटर तक रेल पथ के विस्तार से केवल कंधमाल के पूरे जिले को इस रेल नेटवर्क से जोड़ा जा सकेगा;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इसकी योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त प्रयोजनार्थ क्या योजना बनाई गई है; और

(ङ) क्या सरकार का पर्यटन और राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से जिला मुख्यालयों से कोलकाता और विशाखापट्टनम तक कोई विशेष या एक्सप्रेस ट्रेनें आरंभ करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

खुर्दा-बोलनगीर रेल परियोजना के संबंध में 17.07.2019 को लोक सभा में श्री अच्युतानंद सामंत के अतारांकित प्रश्न सं. 3997 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): खुर्दा रोड-बोलंगीर नई लाइन 1994-95 में स्वीकृत की गई थी। इस परियोजना की कुल लंबाई 289 कि.मी. है और परियोजना की स्वीकृत लागत 3798.80 करोड़ रुपए है। अभी तक इस परियोजना के खुर्दा रोड-नयागढ़ टाउन (65.38 कि.मी.) और बोलंगीर-भैंसापल्ली (14.58 कि.मी.) खंडों का कार्य पूरा किया गया है और इन्हें यातायात के लिए चालू किया गया है। मार्च 2019 तक 1057.25 करोड़ रुपए का खर्च किया गया है और 2019-20 के दौरान 350 करोड़ रुपए के परिव्यय की व्यवस्था की गई है। शेष भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरु कर दिया गया है और जहां कहीं भूमि उपलब्ध है, निर्माण कार्य आरंभ कर दिया गया है।

किसी भी परियोजना का समय से पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं (भूमिगत और भूमि के ऊपर दोनों पर) की शिफ्टिंग , विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष की साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, भूकंप, बाढ, अत्यधिक वर्षा, श्रमिकों की हड़ताल जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना, माननीय न्यायालय के आदेश, कार्यरत एजेंसियों/ठेकेदारों की स्थिति और शर्तें आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना की निष्पादन के समय और लागत को प्रभावित करते हैं, चूंकि वन विभाग से स्वीकृतियों सहित समूची भूमि रेलवे को सौंपी नहीं गई है अतः इस परियोजना को पूरा करने के संबंध में फिलहाल कोई निश्चित समय-समा नहीं दी जा सकती।

समग्र राष्ट्र के हित में और लागत में वृद्धि हुए बिना परियोजनाएं समय पर पूरी करना सुनिश्चित करने के लिए रेलवे में विभिन्न स्तरों (फील्ड स्तर, मंडल स्तर, क्षेत्रीय स्तर एवं बोर्ड स्तर) पर काफी निगरानी रखी जाती है तथा राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के पदाधिकारियों के साथ नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि परियोजनाओं की प्रगति में बाधा डालने वाले लंबित मामलों का समाधान किया जा सके।

परियोजनाओं को समय से पहले पूरा करने हेतु सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने ठेकों में बोनस क्लॉज़ के रूप में ठेकेदारों के लिए प्रोत्साहन अवधारणा अपनाई है, जिससे परियोजनाओं के निष्पादन में और तेजी आएगी।

(ग) और (घ): रेलपथ का आगे 99 कि.मी. तक का विस्तार करने का फिलहाल, कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ङ): इस समय, बारास्ता बोलंगीर-खुर्दा रोड खंड कोलकाता और विशाखापटनम के लिए स्पेशल अथवा एक्सप्रेस गाड़ी चलाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। बहरहाल, इस खंड के यातायात के लिए खोले गए भाग अर्थात खुर्दा-नारायणगढ़ टाउन और बोलंगीर-बिच्छुपल्ली खंड पर दो-दो जोड़ी पैसेंजर गाड़ी सेवाएं परिचालित की जा रही हैं।

******